BELIEVERS EASTERN CHURCH
Office of the Metropolitan, Synod Secretariat, St.Thomas Community, Thiruvalla, Kerala, India.

चरवाहे का पत्र

June/July 2019

✠ पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा की महिमा हो।

प्रभु में मेरे प्रिय भाइयों और बहनों,

बारकमोर! त्रिएक परमेश्वर के नाम में आपको अभिवादन!

मैं अत्याधिक आनन्दित और गर्व महसूस करता हूँ कि आप बिलीवर्स इर्स्टन चर्च के के भाग हैं, और मैं प्रभु में आपका आत्मिक पिता होने का मेरा एक सौभाग्य मानता हूँ। मुझे भी संत पौलुस के साथ यह कहने दीजिएः

''पहिले मैं तुम सब के लिये यीशु मसीह के द्वारा अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, कि तुम्हारे विश्वास की चर्चा सारे जगत में हो रही है। परमेश्वर जिस की सेवा मैं अपनी आत्मा से उसके पुत्र के सुसमाचार के विषय में करता हूँ, वही मेरा गवाह है; कि मैं तुम्हें किस प्रकार लगातार स्मरण करता रहता हूँ (रोमीयों 1:8–9)

पेन्तिकुस्त रविवारीय उत्सव

मसीही केलेन्डर के अनुसार इस साल की हमारी सफर में हमने पुनरूत्थान के हर्ष का उत्सव को मनाया, यीशु के स्वर्गारोहण और पेन्तिकुस्त रविवार। पेन्तिकुस्त का उत्सव एक ऐसा समय है जो हमें इस बात की याद कराता है कि पवित्र आत्मा परमेश्वर का हमारे लिए अमूल्य दान है, जो प्रेरितों पर उतरा; जैसे हम प्रेरितों के काम अध्याय 2 में पाते हैं, कि किस प्रकार उस दिन कलीसिया का जन्म हुआ।

जैसे संत सिलाउन अन्तोनाइट ने कहा है, ''पवित्र प्रेरित प्रेम से परिपूर्ण होकर संसार में मनुष्य जाति के लिए उद्धार का प्रचार किया और वे किसी से नहीं डरे क्योंकि परमेश्वर की आत्मा ही उनका बल था। जब संत एन्ड्रू को धमकी दिया गया कि यदि वह प्रचार करना नहीं छोड़ता है तो उसे क्रूस पर चढ़ा दिया जाएगा तो संत एन्ड्रू ने उत्तर दिया, ''अगर मैं क्रूस (मृत्यु) से डरता तो मैं क्रूस का प्रचार नहीं करता।'' इसी प्रकार अन्य सभी प्रेरित और उनके बाद शहीदों और पवित्र जनों ने जिन्होंने बुराई के विरूद्ध मलयुद्ध किया और हर्ष के साथ दुःख और कष्टों का सामना किया।''

हमें पवित्रात्मा के सामर्थ में जीने और प्रेरितों के अनुयायी होने के लिए बुलाए गए हैं जो किसी भी कीमत पर उसके नाम के गवाह बनें।

भेंट देना

मैं इस अवसर पर आपको यह याद दिलाना चाहता हूँ कि यह कलीसिया की जिम्मेदारी है कि वह अपने स्थानीय कलीसिया के अगुवे और कलीसिया की जरूरतों को पूरी करे।

कृपया दशवांश और भेंट देने को गरीबों को दान देने से न मिलाएं। दशवांश परमेश्वर द्वारा दिए गए धन में से दसवाँ हिस्सा है जो कलीसिया को दिया जाता है। दशवांश और भेंट को कलीसिया के आराधना में लाना चाहिए और जिम्मेदार लोग, जैसे सेक्रेटरी और खजांची दोनों उसे गिने और कलीसिया के नाम से बैंक में जमा करा दें। इसी रीति से दशवांश और भेंट देना चाहिए।

हम यह क्यों करते हैं? क्योंकि परमेश्वर ने इसकी आज्ञा दी है कि कैसे हम कलीसिया और कलीसिया के अगुवे की जरूरतों को पूरी कर सकें।

मलाकी की पुस्तक अध्याय 3 पद 6–12 यहोवा यों कहता है कि जिन्होंने दशवांश और भेंट नहीं दिया है, उन्होंने परमेश्वर को लुटा है।

यीशु ने कहा, कि ''लेने से देना धन्य है'' (प्रेरितों के काम 20:35) परमेश्वर हम से हमारे दशवांश और भेंट को अपने स्थानीय कलीसिया में देने की अपेक्षा करते हैं और जिसकी उन्होंने आज्ञा भी दी है। मकिदुनिया के गरीब संतों ने भी दिया, ''कि क्लेश की बड़ी परीक्षा में उनके बड़े आनन्द और भारी कंगालपन के बढ़ जाने से उनकी उदारता बहुत बढ़ गई। और उनके विषय में मेरी यह गवाही है, कि उन्होंने अपनी सामर्थ भर वरन् सामर्थ से भी बाहर मन से दिया'' (2 कुरिन्थियों 8:2–3)

मैं आपको उत्साहित करना चाहता हूँ कि आप देने के क्षेत्र में विश्वायोग्य रहें। परमेश्वर की प्रतीज्ञा हमारे साथ है–लूका 6:38:''दिया करो, तो तुम्हें भी दिया जाएगा; लोग पूरा नाप दबा दबाकर और हिला हिलाकर और उभरता हुआ तुम्हारी गोद में डालेंगे, क्योंकि जिस नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा।''

प्रार्थना

मेरे भाइयों और बहनों, मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने हमारे महान भारत देश के राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर चुनाव के लिए प्रार्थना किया। जैसे कि अभी हमें केन्द्रिय और राज्य की नई सरकारें बनी हैं, तो यह हमारे परमेश्वर के द्वारा दिया गया कर्तव्य है कि हम अपने देश के अगुवों के लिए लगातार प्रार्थना करें। बाइबल कहती है: ''कोई अधिकार ऐसा नहीं, जो परमेश्वर की ओर से न हो; और जो अधिकार हैं, वे परमेश्वर के ठहराए हुए हैं'' (रोमियों 13:1) इसलिए हमें अपने प्रधान मंत्री और मंत्रीमण्डल और देश के उन राज्यों के लिए भी जहाँ नई सरकारें बनी हैं, लगातार प्रार्थना करें। हम उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें कि नए चुने हुए नेतागण बुद्धिमता के साथ हमारे देश और राज्य के साथ शासन करें ताकि हमारा देश और राज्य समृद्धि की ओर बढ़े।

मैं हमारे चर्च के आगामी एपिस्कोपल सिनड् के लिए भी आपकी प्रार्थना का अनुरोध करना चाहता हूँ। इस मीटिंग में हमारे सभी एपिस्कोपा, विकार जनरल, हमारे चर्च की अलग–अलग सेवाओं से कुछ चुने हुए याजक ओर अगुवे, प्रार्थना में महत्त्वपूर्ण समय व्यतीत करेंगे, हमारे चर्च से संबंधित विभिन्न विषयों और योजना पर चर्चा करेंगे। इस सप्ताह लम्बी सभा के दौरान हमारे चर्च की वृद्धि और विकास के बारे में कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए जायेंगे। कृप्या इस मीटिंग को अपने प्रार्थना में याद रखें।

अतंतः मेरे भाइयों और बहनों, अन्त में, मैं संत पौलुस के साथ कहना चाहता हूँ, ''मुझे यकीन है कि परमेश्वर के प्रेम हमें कुछ भी अलग नहीं कर सकता। आज के लिए हमारा डर, कल के लिए हमारी चिन्ताएँ, या जहाँ कहीं हम है, हमारे प्रभु यीशु मसीह द्वारा प्रदर्शित परमेश्वर के प्रेम से कुछ भी हमें अलग नहीं कर पाएगा। जब वह हमारे लिए मर गया।'' (रोमियों 8:38–39)

परमेश्वर का अपार अनुग्रह आप सबके साथ हो। पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में। आमीन।

✠मोरान मॉर एथनेशियस योहान । मेट्रोपॉलिटन